8.4.2019 दबंग दुनिया

बीएससी के लिए चार डिपार्टमेंट में यह शुरू करने की तैयारी

शुरू होंगे बीए-बीएससी ऑनर्स के नए जॉब ओरिएंटेड कोर्स

रफी मोहम्मद शेख ■ इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में एडमिशन की प्रक्रिया के लिए तैयारी अंतिम स्तर पर है। यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन एडमिशन का खाका लगभग पूरा कर लिया है। इस साल से यूनिवर्सिटी बीएससी और बीए ऑनर्स के कई नए कोर्सेस शुरू करने वाली है। इसके साथ ही बीएससी में कुछ जॉब ओरिएंटेड कोर्सेस भी शुरू होने वाले हैं। सालों बाद यूनिवर्सिटी में ऐसे कोर्सेस शुरू हो रहे हैं, जो कई डिपार्टमेंट में चलाए जाएंगे।

यूनिवर्सिटी में परीक्षाएं करवाने के लिए अब नया एडमिशन सेल शुरू किया गया है। इस सेल को ही यूनिवर्सिटी के विभिन्न डिपार्टमेंट में एडमिशन के लिए जरूरी सीईटी करवाने की जिम्मेदारी भी दी गई है। सीईटी के विज्ञापन में नए कोर्सेस को भी शामिल करने के लिए एडमिशन कमेटी डिपार्टमेंट के साथ को-ऑर्डिनेट कर रही है।

40 से लेकर 60 तक होगी सीटें

जानकारी के अनुसार अंडर ग्रेजुएशन लेवल के यह नए कोर्सेस सालों बाद शुरू होंगे। इसमें सबसे प्रमुख बीएससी ऑनर्स का कोर्स होगा। इसके लिए चार डिपार्टमेंट को चुना गया है। इसमें स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टेटेटिक्स और फिजिक्स शामिल है। इन चारों में बीएससी ऑनर्स के कोर्स इस सत्र से प्रस्तावित हैं। इन कोर्सेस में आरंभ में 40 से लेकर 60 सीटें तक रखी जाने की संभावना है। अभी इसकी फीस आदि पर निर्णय होना बाकी है।

बाजार की जरूरत के हिसाब से

इसके अतिरिक्त स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स भी बीए का नया कोर्स शुरू करेगा। अंडर ग्रेजुएशन स्तर पर शुरू होने वाला यह कोर्स कई स्पेशलाइज्ड विषयों में हो सकता है। इसके लिए अलग से कोर्स डिजाइन किया गया है। जानकारी के अनुसार बीएससी में कई ऐसे कोर्स भी डिजाइन किए गए, जो जॉब ओरिएंटेड होंगे। वर्तमान में बाजार की जरूरत और रोजगार की स्थिति को देखते हुए यह कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। यह कोर्स कहीं और नहीं चलाए जाते हैं।

घाटे वाले डिपार्टमेंट पर फोकस

बताया जा रहा है कि नए कोर्स शुरू करने वाले साइंस से संबंधित अधिकांश डिपार्टमेंट पिछले कई सालों में घाटे में चल रहे है। यहां पर एमएससी के कोर्सेस चलते हैं जिनमें पिछले सालों में एडमिशन का टोटा पड़ा हुआ है। कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़ ने कमान संभालने के बाद से ही सबसे पहले डिपार्टमेंट का ऑडिट करवाया था। इसमें उन डिपार्टमेंट की स्थिति सामने आई थी जो लगातार घाटे में चल रहे हैं। इन डिपार्टमेंट को घाटे से उबारने के लिए नए कोर्सेस लाने के लिए फोकस किया गया है।

सारी सीटें फुल होने की आशा

इसी आधार पर अंडर ग्रेजुएशन स्तर के नए कोर्स डिजाइन किए गए हैं। इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि यह विद्यार्थियों को आकर्षित करने के साथ ही यह जॉब ओरिएंटेड हो। साथ ही यह बिल्कुल नए हो। संभावना है कि यह कोर्सेस पहली ही बार में फुल हो जाएंगे और इससे इन डिपार्टमेंट की आर्थिक हालत सुधारने में भी बड़ी मदद मिलेगी। एडमिशन सेल के चेयरमैन डॉ. वीबी गुप्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि बीएससी और बीए के नए कोर्स शुरू करने का प्लान है। उन्होंने अंतिम निर्णय नहीं होने की बात कही है।